वेबीनार शिक्षा और राष्ट्र निर्माण दिनांक11जुलाई

दिनांक 11 जुलाई को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरुनानक देव खालसा कालेज,भोपाल स्कूल आफ सोशल साइन्स एवं आनंद इन्सटीट्यूट आफ सोशल वर्क के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा और राष्ट्र निर्माण नामक विषय पर आयोजित वेबिनार में बतौर मुख्य वक्ता के रुप में प्रो.विनोद कुमार मिश्र, महासचिव, विश्व हिन्दी सचिवालय मारीशस ने भारतीय शिक्षा की प्राचीन व्यवस्था पर ध्यान आकृष्ट कराते शस्त्र और शास्त्र दोनों के ज्ञान को महत्त्वपूर्ण बताते हुए।यह कहा कि गन सभी के संतुलित समन्वय से ही किसी राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।प्रो.मिश्र ने यह चिंता भी जाहिर आज भारतीयता शिक्षख की जो व्यवस्था है उससे तो हम अपने विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान कर सकते है लेकिन उनके भीतर वसुधैव कुटम्बकम् की जो अवधारणा है उसको संचरित नहीं कर सकते।जब तक यह भावना वर्तमान पीढ़ी के अध्यापक एवं विद्यार्थी में नहीं रहेगी तब किसी राष्ट्र का समुचित निर्माण एवं विकास सम्भव नहीं है।आज के समय में अंग्रेज़ी की तरफ भग रहे लोगों को यह शिक्षा भी दी कि किसी की मां सुंदर हो सकती है लेकिन मेरी मां से ज्यादा सुन्दर नहीं हो सकती।जब यह भाव मेरे अंदर रहेगा तभी मेरा विकास हो सकता है।उन्होंने अंग्रेजी को अध्ययन नहीं संवाद की भाषा के लिए उपयुक्त माना।वेबिनार में भारतवर्ष के सभी प्रान्तों के प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।प्रतिभागियों की संख्या लगभग 150 थी। मुख्य वक्ता द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया।